1745049

कुल पृष्ठ संख्या–32 (एक्स्ट्रा पेज सहित)

क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words)

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय अर्थशास्त्र (Economics)

परीक्षा का दिन गुरुवार

दिनांक 19-03-20

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

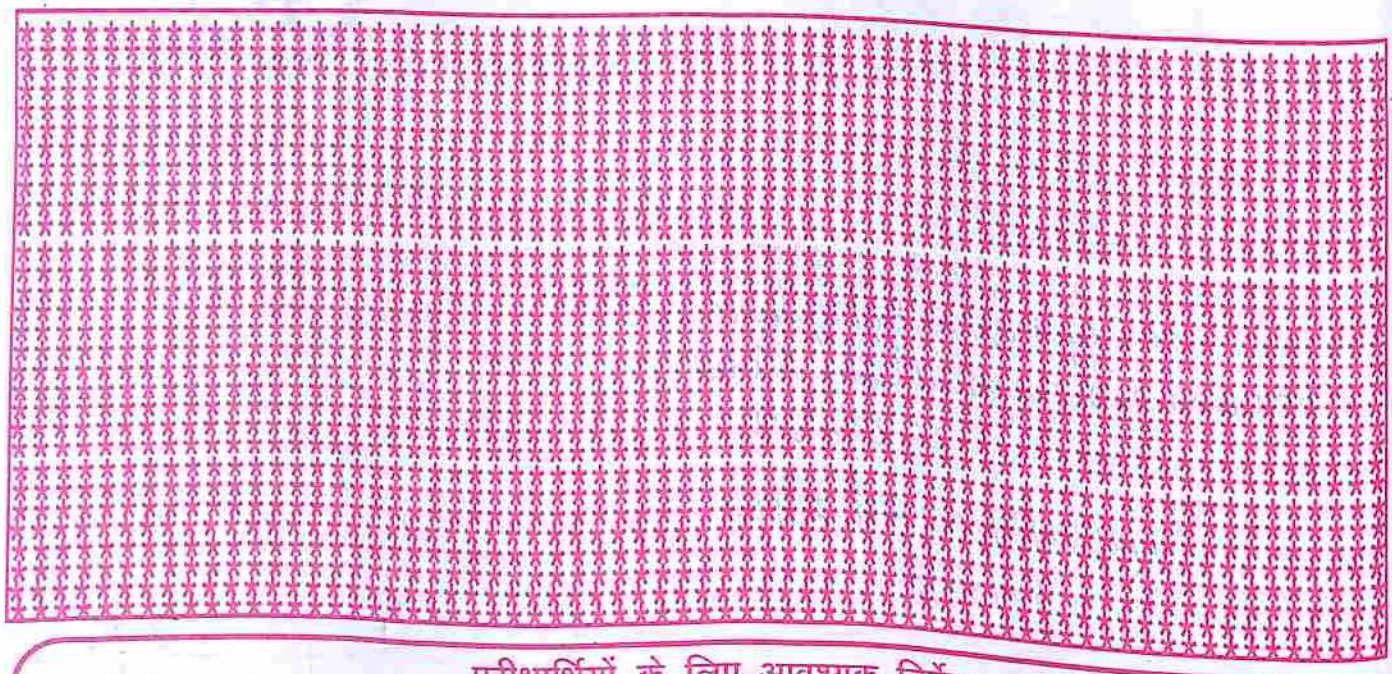
प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है।165/2019



परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - अ

1. अर्थशास्त्र की समष्टि अर्थशास्त्र शाखा में हम आय व रोजगार के सिद्धान्त का अध्ययन करते है।

2. एडम स्मिथ के अनुसार अर्थशास्त्र धन का अध्ययन है।

3. साधनों की सीमितता से आशय उत्पत्ति के साधन - भूमि, श्रम, पूँजी तथा साहस की पूर्ति लोगों की मांग से कम है।

4. पूर्ति ⇒ पूर्ति से आशय वस्तु की वह मात्रा है जिसे एक विक्रेता निश्चित अवधि में विभिन्न कीमतों पर उपभोक्ता को बेचने के लिए तैयार रहता है।

5. श्रम प्रधान तकनीक ⇒ वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में जब श्रम की अधिकता होती है उसे श्रम प्रधान तकनीक कहते है। प्रायः अविकसित देशों में यह तकनीक पाई जाती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

6. दो शीघ्रनाशक वस्तुओं के नाम
(i) सब्जी (भिण्डी, टमाटर आदि)
(ii) दूध

7. स्टॉक = जब किसी आर्थिक चर का अध्ययन, एक निश्चित बिन्दु पर किया जाता है, उसे स्टॉक कहते हैं। जैसे - छत की टंकी में पानी, बैंक में जमा राशि आदि।

8. मूल्यह्रास = एक वित्तीय वर्ष में पूँजीगत वस्तुओं की घिसावट को मूल्यह्रास कहते हैं। पूँजीगत वस्तुओं की घिसावट उत्पादन में प्रयोग करने से होती है।
मूल्य ह्रास = सकल निवेश - शुद्ध निवेश

9. सकल निवेश = एक वर्ष की अवधि के पूँजीगत वस्तुओं पर किया गया व्यय सकल निवेश कहलाता है
उदा० - भवन, नहर, मशीन आदि।
सकल निवेश = शुद्ध निवेश + मूल्य ह्रास

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

10. सन्तुलित बजट ⇒ जब सरकार द्वारा किया गया कुल व्यय तथा कुल आय बराबर होते है। उसे संतुलित बजट कहते है।

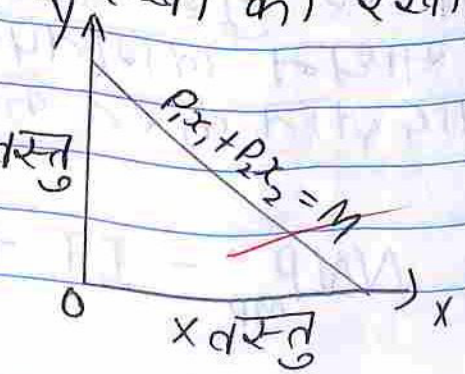
* संतुलित बजट = कुल आय = कुल व्यय

खण्ड - ब

11. स्थैतिक विश्लेषण ⇒ जब कीमत इत्यादि आर्थिक चरो को स्थिर मानकर आर्थिक विश्लेषण या अध्ययन किया जाता है उसे स्थैतिक विश्लेषण कहते है।

प्रावैगिक विश्लेषण ⇒ आर्थिक चरो को निरन्तर गतिशील अवस्था में मानकर किया गया अध्ययन या आर्थिक विश्लेषण, प्रावैगिक विश्लेषण कहलाता है।

12. बजट रेखा का रेखाचित्र



बजट रेखा का ढाल = $\frac{P_x}{P_y}$

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बजट रेखा :- बजट दो वस्तुओं के उन संयोगों को दर्शाती है जो उपभोक्ता अपनी आय तथा वस्तु की कीमत दिए होने पर क्रय कर सकता है।

13. पूर्ण प्रतियोगिता बाजार की दो विशेषताएँ

(i) क्रेताओं और विक्रेताओं की अधिक संख्या :- इस बाजार में क्रेताओं और विक्रेताओं की संख्या अधिक होती है। एक उत्पादक नहीं होता है।

(ii) समरूप वस्तु का उत्पादन :- इस बाजार में विक्रेता रंग, रूप, आकार तथा पैकिंग के आधार पर समरूप वस्तुओं का उत्पादन करते हैं।

14. बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP_{MP}) से साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद ज्ञात करने का सूत्र :-

$$NNP_{FC} = NNP_{MP} - IT + S$$

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

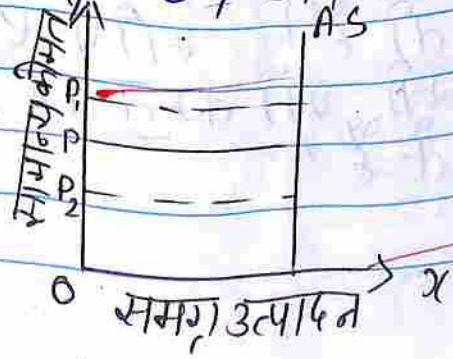
IT = अप्रत्यक्ष कर
S = अनुदान

15 GDP_{MP} = 4,000 करोड़
मूल्यह्रास (D) = 800 करोड़
NDP_{MP} = ?

$NDP_{MP} = GDP_{MP} - D$
$= 4000 - 800$
$= 3200$

अतः NDP_{MP} 3200 करोड़ रु है।

16. प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों के अनुसार समग्र पूर्ति का आशय है कि अन्य बातें समान रहने पर फर्म वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करना चाहती है। प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों के अनुसार समग्र पूर्ति (AS) वक्र OY अक्ष के समान्तर होता है।



$ed = 0$

चित्र में OX अक्ष समग्र उत्पादन तथा OY अक्ष पर सामान्य कीमत स्तर है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

17 पूरक बजट ⇒ सरकार का पिछला बजट 31 मार्च को खत्म हो जाता है। तथा सरकार को नए बजट की आवश्यकता होती है। इसके लिए संसद अग्रिम धनराशि प्रदान करती है। सरकार के खर्चों को पूरा करने के लिए संसद धनराशि प्रदान करती है। ताकि सरकार इस बजट द्वारा पूराने रुके हुए कार्य पूर्ण कर सके।

18 भीम ऐप ⇒ भीम ऐप का पूरा नाम है Bharat Interface for Money

भारत में प्रधानमंत्री ने डिजिटल भुगतान करने के लिए संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के नाम यह ऐप चलाई है इसके द्वारा ग्राहक अपने मोबाइल से किसी भी प्रकार का भुगतान कर सकते है। बैंक ने e-wallet जारी किए है। जिसके द्वारा ग्राहक के खाते में राशि स्थानान्तरित की जा सकती है। भीम ऐप द्वारा लोग किसी भी वस्तु का भुगतान कर सकते है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - स

19 उपभोक्ता संतुलन ⇒ क्रम वाचक विश्लेषण में उपभोक्ता संतुलन या उपभोक्ता साम्य उस अवस्था में होता है, जब उपभोक्ता अपनी दी हुई आयसेवी वस्तुओं के उन संयोगों का चयन करता है जिससे उसको अधिकतम संतुष्टि प्राप्त हो।

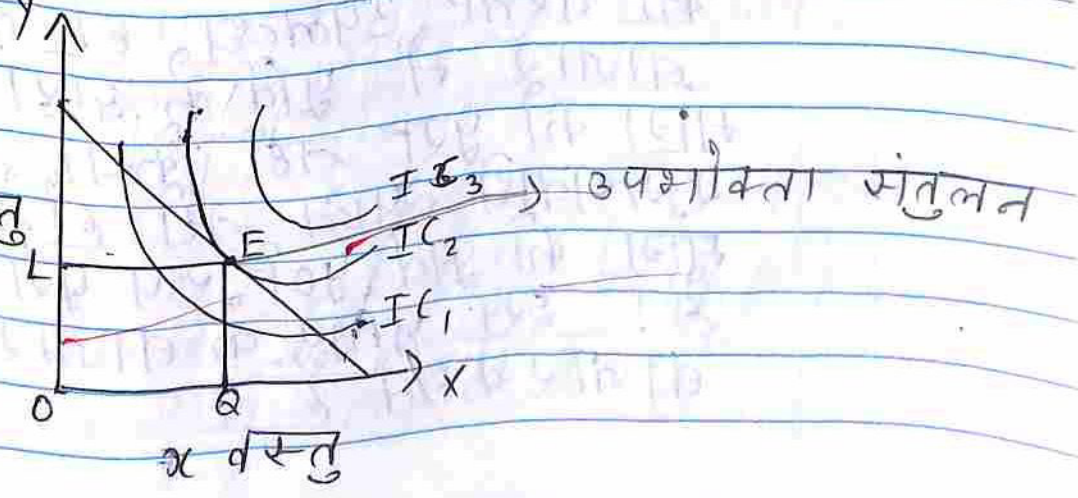
तटस्थता वक्र में उपभोक्ता संतुलन की निम्न शर्तें हैं।

(i) उपभोक्ता संतुलन का बिन्दु वह बिन्दु होता है जहाँ पर तटस्थता वक्र बजट रेखा को स्पर्श करता है।

(ii) प्रतिस्थापन की सीमान्त दर कीमत अनुपातों के बराबर होती है

$$MRS_{xy} = \frac{P_x}{P_y}$$

(iii) प्रतिस्थापन की सीमान्त दर घटती हुई होनी चाहिए।



उपभोक्ता संतुलन

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

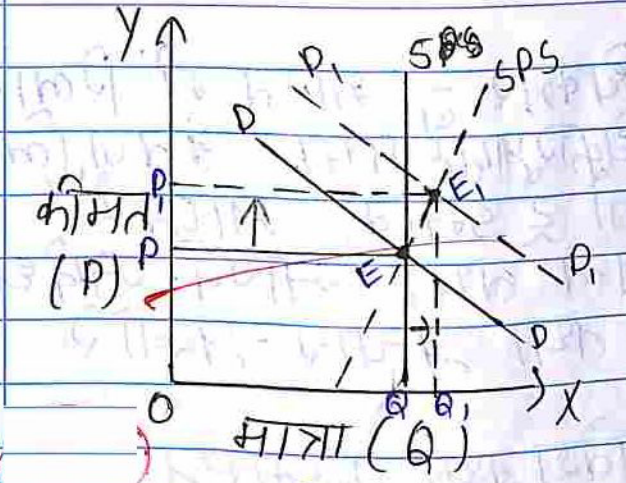
रेखाचित्र के अनुसार उपभोक्ता संतुलन तब होगा जब उपभोक्ता को OX अक्ष पर X वस्तु की OQ मात्रा तथा OY अक्ष पर Y वस्तु की OL मात्रा प्राप्त होगी।

20

वस्तु की कीमत (₹ में)	A उत्पादक द्वारा पूर्ति	B उत्पादक द्वारा पूर्ति	बाजार पूर्ति
05	07	13	20
10	12	18	30
15	19	31	50
20	28	32	60

21 पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत अल्पकालीन बाजार ⇒ अल्पकालीन बाजार में लोगों की मांग को पूरा करने के लिए उत्पादक परिवर्तनशील साधन द्वारा उत्पादन कर सकता है तथा लोगों को वस्तुएं उपलब्ध हो जाता है इस बाजार में पूर्ति के द्वारा सम्पूर्ण मांग को पूरा नहीं किया जा सकता है। समयावधि ज्यादा नहीं होने के कारण मांग की पूर्ति पूर्ण रूप पूरी नहीं होती है। इस प्रकार के बाजार को अल्पकालीन बाजार कहते है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर



साम्य कीमत E से बढ़कर E, होजाती है।

रेखाचित्र में OX अक्ष पर वस्तु की मात्रा तथा OY अक्ष पर वस्तु की कीमत है। समयवधि कम होने से पूर्तिवक्र में कम वृद्धि होती है तथा मांग वक्र में अधिक वृद्धि होती है। कीमत P से P, होती है तथा मांग मात्रा Q से Q, होती है। साम्य कीमत में अधिक वृद्धि होती है।

22 एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता की चार विशेषताएँ

(i) फर्मों की संख्या अधिक ⇒ इस बाजार में फर्मों की संख्या अधिक पाई जाती है। लेकिन इनका आकार छोटा होता है, छोटे आकार की वजह से कम पूंजी की आवश्यकता होती है। जैसे - स्थानीय बाजार, अखबार की दुकान आदि।

(ii) वस्तु विभेद ⇒ इस बाजार में वस्तु विभेद पाया जाता है।
(a) वस्तु में रंग, रूप तथा आकार के आधार विभेद।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(b) पेटेंट अधिकार - भारत में रिलायंस कॉर्पोरेट अधिकार प्राप्त है तथा पतंजलि, क्लोजप को ट्रेडमार्क प्राप्त है।
(c) कार्यकौशल तथा साख-सुविधा।
(d) विज्ञापन तथा प्रचार-प्रसार

(iii) फर्मों के प्रवेश तथा बहिर्गमन में स्वतंत्रता ⇒ इस बाजार में फर्मों का आकार छोटा होने के कारण फर्में आसानी से प्रवेश तथा बहिर्गमन कर सकती है

(iv) फर्मों का समूह में होना ⇒ इस बाजार में फर्मों को समूह कहते हैं। एकाधिकारात्मक बाजार में समरूप वस्तुओं का उत्पादन होता है लेकिन वस्तुएँ पूर्ण समरूप नहीं होती है।

(v) विक्रय लागत ⇒ इस बाजार में विक्रय लागत में भिन्नता पाई जाती है।

(vi) गैर कीमत प्रतियोगिता ⇒ कीमत यथा स्थिर रहने पर निशुल्क मरम्मत तथा उपहार योजना में गैर कीमत पाई जाती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

23 बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{MP})

एक वित्तीय वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) में किसी देश की भौगोलिक सीमा के अन्दर देश के निवासियों तथा विदेशी निवासियों व कम्पनियों द्वारा उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का प्रचलित बाजार कीमत पर मौद्रिक मूल्य के योग को सकल घरेलू उत्पाद कहते हैं

बाजार कीमत पर
अर्थात निर्मित वस्तुओं और सेवाओं के भण्डार में वृद्धि को बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद कहते हैं

$GDP_{MP} = C + I + G + (X - M)$

C = उपभोग व्यय
I = निवेश व्यय
G = सरकारी व्यय
(X-M) = शुद्ध निर्यात

24 साख सृजन की सीमाएँ =)

(i) लोगों में बैंकिंग की आदत =) जिन देशों में लोगों में

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

बैंकिंग की आदत में कमी होती है। वहां बैंकों द्वारा साख निर्माण नहीं हो पाता है। तथा जिन देशों में लोग नियमित बैंकिंग का कार्य करते हैं वहां पर बैंकों द्वारा साख का निर्माण होता है।

(ii) औद्योगिक व व्यापारिक स्तर :- औद्योगिक व व्यापारिक स्तर अच्छा होने पर उद्योगपति तथा व्यापारी नियमित लेन-देन करते हैं जिससे साख का निर्माण होता है।

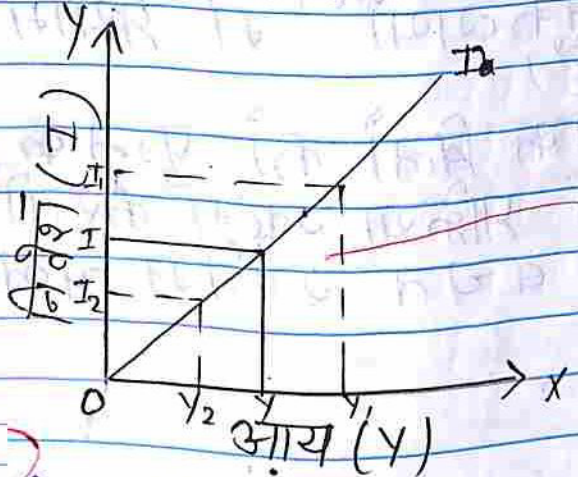
(iii) केन्द्रीय बैंक की मौद्रिक नीति :- केन्द्रीय बैंक सरल मौद्रिक नीति अपनाते हैं तो व्यापारिक बैंकों द्वारा साख निर्माण होता है तथा कठोर नीति से साख निर्माण में बाधा आती है।

(iv) बैंकिंग का विस्तार :- बैंकिंग का विस्तार सीमित क्षेत्र में होने पर साख निर्माण कम होता है। लोगों को बैंकिंग का अज्ञान होता है।

25 प्रेरित निवेश :- यह निवेश आय तथा लाभ कमाने के लिए किया जाता है। आय बढ़ता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

तो निवेश भी बढ़ता है।
प्रेरित निवेश आय पर निर्भर करता आय बढ़ती है तो उपभोक्ता की मांग भी बढ़ती है तथा निवेश भी बढ़ता है। प्रेरित निवेश की लोच आय लोच होती है यह मजदूरी, वेतन तथा लाभ से प्रभावित होती है।



रेखाचित्र के अनुसार आय बढ़नेपर Y_1 हो जाती है तो निवेश भी बढ़कर I_1 होजाता है तथा आय घटने पर Y_2 तथा निवेश भी घटकर I_2 हो जाता है।

---

26. सरकार द्वारा राजकोषीय नीति द्वारा अपनाये गए उपाय :-

जब न्यून मांग होती है

(i) जब न्यून होती है तो सरकार लोगों की मांग बढ़ाने के लिए सार्वजनिक

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

व्ययों में वृद्धि करती है जैसे- रोजगार, हस्तान्तरण भुगतान आदि।
(ii) करों में कमी करती है।

अधिक मांग (मुद्रा स्फीति) में सरकार द्वारा राजकोषीय नीति =>
(i) सरकार करों में वृद्धि करती है।
(ii) सार्वजनिक व्ययों में प्रत्यामत कमी करती है।
(iii) सार्वजनिक बिलों को पुनः भुगतान करने की प्रक्रिया खत्म करती है।
(iv) अर्जित बचत स्कीम चलाती है।

27 आर्थिक नीति के उपकरण के रूप में ~~सरकार~~ बजट का महत्व :-
(i) आय का वितरण =>
सरकार बजट के माध्यम ऐसा ढ्यौरा तैयार करती है को आय का समान वितरण हो तथा अमीर व गरीब में खाई न रहे।
(ii) कीमत स्तर => सरकार बजट के माध्यम से नए कर जारी करती है जिससे कीमत स्तर संतुलित होती है।
(iii) विकास की दिशा => बजट से किसी देश की आर्थिक नीति तथा विकास दिशा में परिवर्तन होता है।

ISSN-1652019

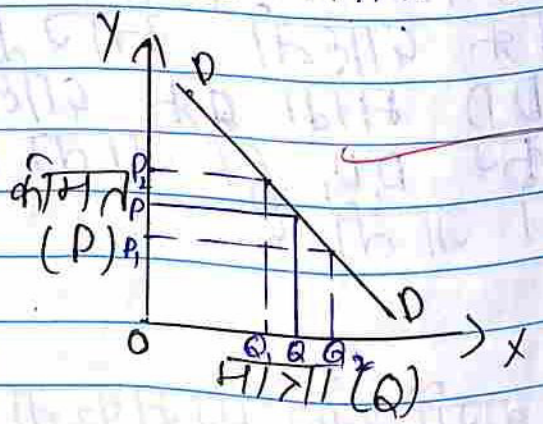
परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(iv) सामाजिक तथा आर्थिक स्तर :- बजट के माध्यम से कल्याण कारी योजना द्वारा देश में सामाजिक तथा आर्थिक स्तर ऊँचा होता है।

(v) सामाजिक कल्याण :- रोजगार के अवसरों में वृद्धि के द्वारा सामाजिक कल्याण करना।

खण्ड - ख

24 ~~खंक~~ माँग वक्र :- मांग वक्र से आशय है कि माग तालिका में स्थित तथ्यों को ग्राफ पर अंकित करना, जिसमें विभिन्न मूल्यों पर वस्तु की खरीदी गई मात्रा प्रदर्शित होती है।

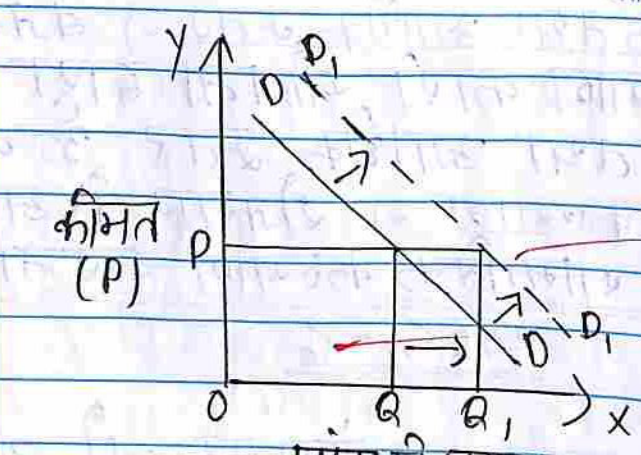


~~माँक~~ माँग वक्र का दाहिनी ओर खिसकना :-

जब कीमत स्थिर रहने पर अन्य कारकों में परिवर्तन से मांग में वृद्धि होती है तो मांग वक्र ~~क्क~~ दाहिनी ओर खिसक जाता है। मांग मात्रा में वृद्धि होती है

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

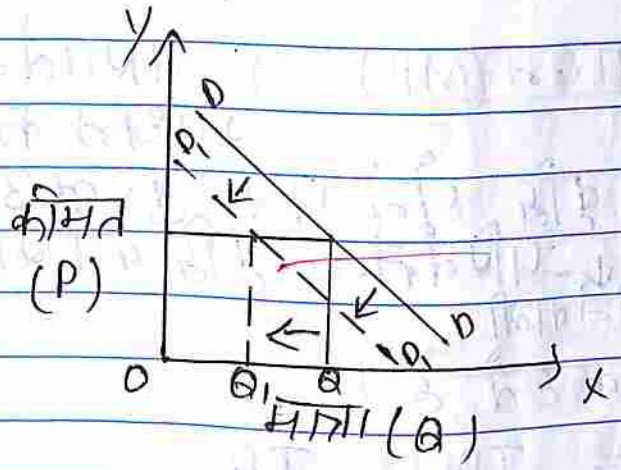


रेखाचित्र में OX अक्ष पर मांग की मात्रा तथा OY अक्ष पर वस्तु की कीमत दर्शाई है। जब मांग में वृद्धि होती है तो मांग वक्र दाहिनी ओर खिसक जाता है। DD मांग वक्र दाहिनी ओर खिसककर D_1D_1 हो जाता है। मात्रा Q से Q_1 हो जाती है।

माँग वक्र का बायीं ओर खिसकना = ~~मांग~~

कीमत स्थिर रहने पर जब अन्य कारकों में परिवर्तन होता है। तो मांग वक्र में परिवर्तन होता है। मांग वक्र की मात्रा में कमी से मांग वक्र बायीं ओर खिसक जाता है। तथा नीचे की ओर आता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर



रेखाचित्र में OX अक्ष पर मांग की मात्रा तथा OY अक्ष पर कीमत (P) दर्शाई गई है। कीमत स्थिर रहने पर जब मांग में कमी आती है तो मांग वक्र नीचे बाई ओर खिसक जाती है। DD मांग वक्र से मांग में कमी के कारण मांग वक्र घटकर D_1D_1 हो जाता है, तथा मांग मात्रा Q से घटकर Q_1 हो जाती है।

29 औसत उत्पादन (AP) = कुल उत्पादन में परिवर्तन शील साधन की इकाईयों का भाग देने पर प्राप्त उत्पादन, औसत उत्पादन कहलाता है।

$$AP = \frac{TP}{L}$$

TP = कुल उत्पादन
L = श्रम की इकाई की संख्या

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

सीमान्त उत्पादन (MP) :- परिवर्तनशील साधन की मात्रा में एक इकाई वृद्धि होने पर कुल उत्पादन (TP) में परिवर्तन होने वाली वृद्धि को सीमान्त उत्पादन कहते हैं।

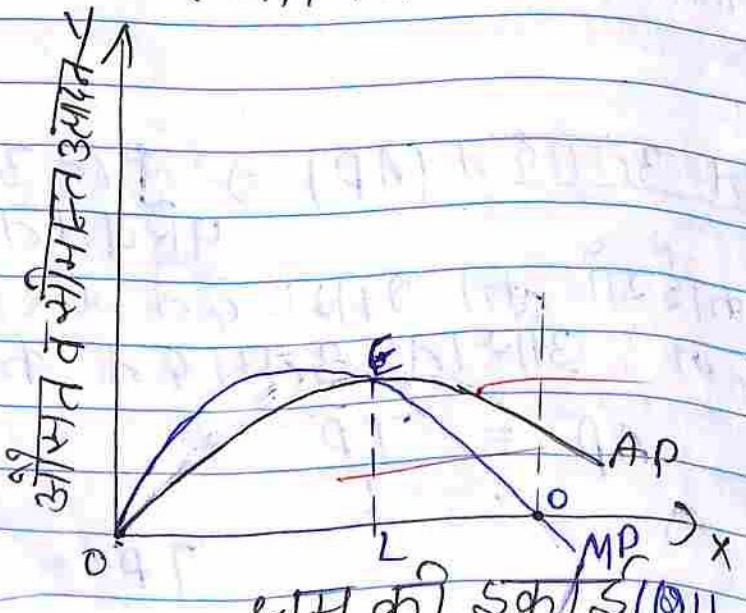
$$MP = TP_n - TP_{n-1}$$

या

$$MP = \frac{\Delta TP}{\Delta L}$$

ΔTP = कुल उत्पादन में परिवर्तन
ΔL = श्रम संख्या में परिवर्तन

औसत उत्पादन एवं सीमान्त उत्पादन का रेखाचित्र :-



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(i) रेखाचित्र में OX अक्ष पर श्रम की इकाई (L) तथा OY अक्ष पर औसत उत्पादन तथा सीमान्त उत्पादन प्रदर्शित है।

(ii) श्रम की इकाई में वृद्धि करने पर सीमान्त उत्पादन (MP) वक्र तथा औसत उत्पादन वक्र दोनों ऊपर की ओर बढ़ते हैं। क्योंकि स्थिर साधन तथा परिवर्तनशील साधन में अनुकूल सामंजस्य है। MP वक्र, AP वक्र के ऊपर होता है।

(iii) E बिन्दु पर AP वक्र तथा MP वक्र दोनों बराबर होते हैं। E बिन्दु के बाद स्थिर साधनों पर परिवर्तनशील साधन का प्रभाव बढ़ता है, इनके बीच सामंजस्य खत्म हो जाता है

(iv) MP वक्र, AP वक्र दोनों घटते हैं, AP वक्र, MP वक्र के ऊपर होता है AP वक्र कभी भी शून्य नहीं होता MP वक्र नीचे की ओर गिरते हुए शून्य होकर ऋणात्मक हो जाता है।

30 केन्द्रीय बैंक ⇒ केन्द्रीय बैंक किसी देश की मौद्रिक नीति तथा

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

बैंकिंग प्रणाली को नियंत्रित तथा करती है। केन्द्रीय बैंक देश में ग्राहकों के हितों की सुरक्षा करती है।

केन्द्रीय बैंक के तीन कार्य :-

(i) करंसी (मुद्रा) का निर्गमन :- केन्द्रीय बैंक करेंसी का निर्गमन करती है। केन्द्रीय का मुद्रा निर्गमन पर पूर्ण एकाधिकार होता है। नोट निर्गमन के लिए केन्द्रीय बैंक न्यूनतम कोष प्रणाली का प्रयोग करती है। जिससे वह किसी भी समय नोट जारी कर सकती है।

केन्द्रीय बैंक विभिन्न नोटों के द्वारा जनता को तरह उपलब्ध करवाती है। केन्द्रीय बैंक एक सीमा तक नोट निर्गमन करती है। क्योंकि अधिक मुद्रा से अपस्फीति व्यवस्था में मुद्रास्फीति बढ़ेगी। तथा लोग अनावश्यक खर्चे करेगी

(ii) बैंकों का बैंक :- केन्द्रीय बैंक सभी व्यापारिक बैंकों की शीर्षस्थ बैंक होती है।

केन्द्रीय बैंक व्यापारिक बैंकों की साख निर्माण की प्रक्रिया को नियंत्रित करती है। तथा सरकारी प्रतिभूतियों का क्रय विक्रय करती है। व्यापारिक बैंकों अपनी जमा धनराशि का कुछ भाग से निश्चित अनुपात केन्द्रीय बैंक के पास रखना आनिवार्य है, जिसे तरल वैधानिकता अनुपात (SLR) कहते हैं।

केन्द्रीय बैंक जनता के हितों की सुरक्षा करती है। तथा व्यापारिक बैंकों को रेपो दर द्वारा ऋण पर ब्याज वसूलती है। तथा रिवर्स रेपो दर द्वारा व्यापारिक बैंकों को अपनी जमाओं पर ऋण देती है।

(iii) सरकार का बैंकर तथा नियंत्रणकर्ता → केन्द्रीय बैंक

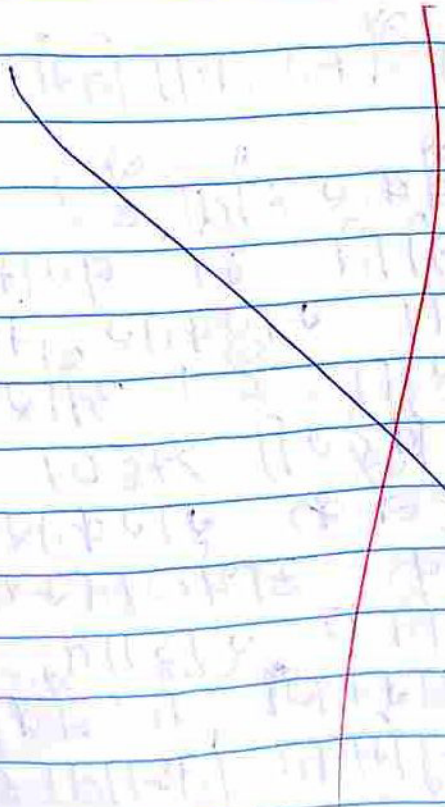
सरकार का बैंकर होता है। वह सरकार को आर्थिक नीति में परामर्श प्रदान करता है तथा सरकार की तरफ से भुगतान करता है। और सरकार की ओर से विदेशी ऋण प्राप्त करता है। केन्द्रीय बैंक सरकार को सामाजिक तथा आर्थिक अर्थव्यवस्था बनाए रखने के लिए सुझाव देता है। केन्द्रीय बैंक सरकार के बैंकर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

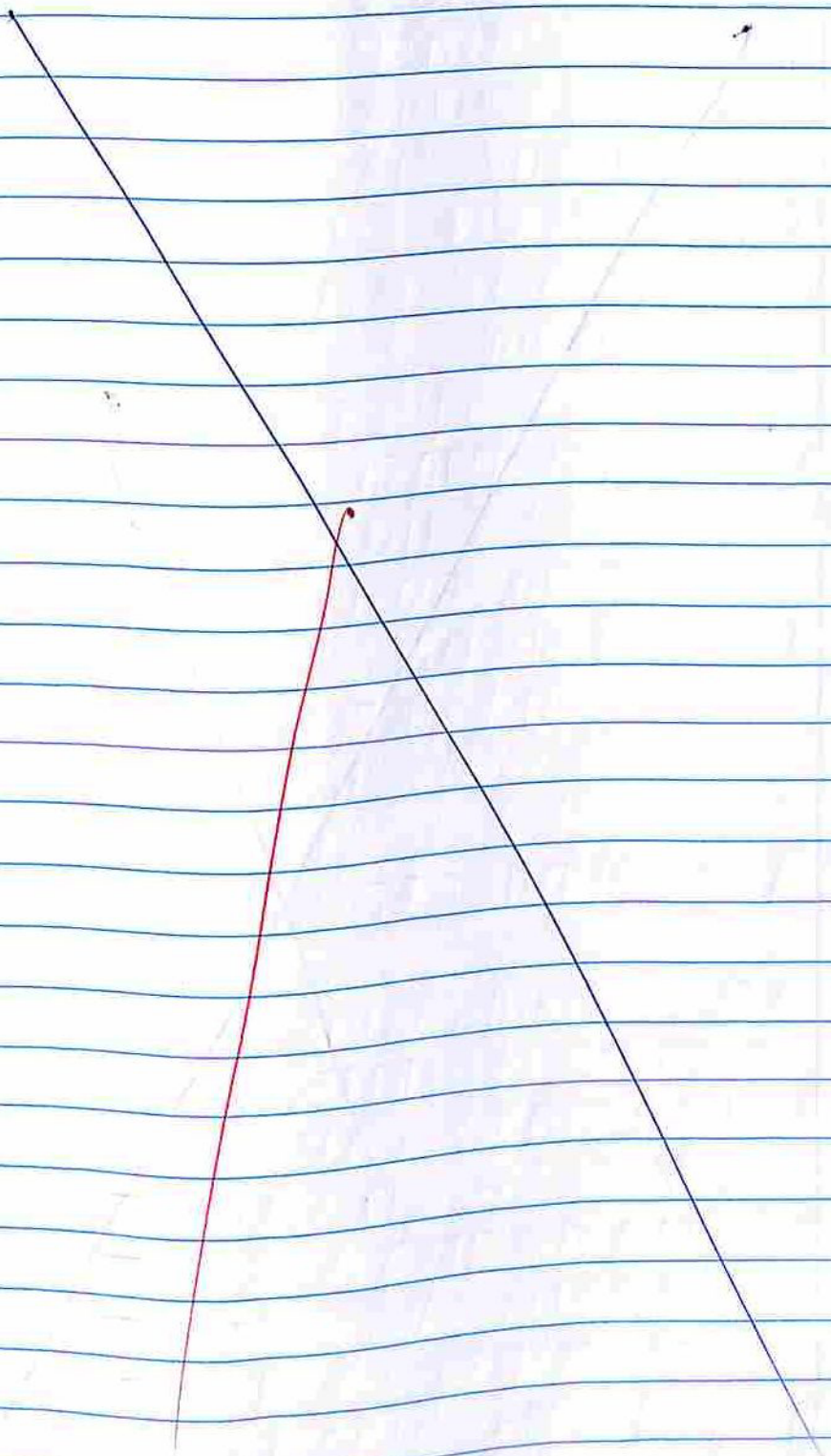
केन्द्रीय बैंक की न्यूनतम कोष प्रणाली →

115 करोड़ का सोना तथा 85 करोड़ रु. की विदेशी प्रतिभूतियों को सदैव रिजर्व में रखने पर केन्द्रीय बैंक 200 करोड़ की राशि से किसी भी मात्रा तक नोट जारी कर सकती है।

"समाप्त"



क द्वारा त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर



BSER-165/2019